उसकी बुलाहट को कान देने वालों को वह स्वीकार करेंगे। उसकी पखों के नीचे सुरक्षित रखकर, उद्धार देते हुए तुम्हारा जान को अर्थ और दिशा प्रदान करेंगे।

आने वाला घोरपीटा से उद्दार पाने केलिए आप को इच्छा हो, तो पवित्रशासन की द्वारा दिया गया निवेदन पर ध्यान रखो। आत्मा और दलिहन दोनों कहती है, "आ";। और सुननेवाला भी कहे, कि "आ" और जो प्याास हो वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल संतमेंत ले" (प्रकाशितवाक्य 22:17)।

क्या आप को प्यास हो? परमेश्धर की निमंत्रण को स्वीकार करेंगे तो परमेश्धर संसार को न्याय करते हुए जो कुछ संभव होने से भी चिन्ता करने का जरूरत नहीं। "क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा" (रोमियो 10:13)।

आप एक पापी है करके समझकर प्रभु का नाम लेकर, प्रभु यीशु आप के हृदय में पैदा होने केलिए जगह दे। और तुम्हारा आत्मा की रक्षा प्राप्त करे।

नाम:_____ पता:_____

जगह:_____ राज्य:_____

Hope tract ministry
All tracts are free, as the Lord provides

P.O. BOX 609 ● YORK, SC 29745 ● 803-684-1535
WWW.HOPETRACTS.ORG
The Coming Plagues (Hindi) Tract 620

पहले कभी न सुना जैसे भयंकर बीमारियाँ फैलने लगी। यह संसार का अधिप्रधान ध्यान पूर्वक विषय है। आस पास समय में कई राज्यों की लोगों को धमकी देते हुए सुहान बुखार प्रवेश किया है। इसके पहले आफ्रिका में इंबोला करके भयंकर बीमारी आ चुकी थी। इस बीमारी आने से कुछ दिनों की अन्दर कान, आँख, नाक, मुँह ऐसा शरीर की भागों में से खून निकलता हैं। अंदर की भाग सड़ जाता है और मृत्यु समीप पर हो जाता है। इंबोला आने से मृत्यु 90% पक्का है।

इससे अधिक अतिशीघ्र फैलने वाला भयंकर बीमारी है, ऐडस (AIDS)। भौगोलिक आरोग्य संस्था के अनुसार ऐडस को चंगाई नहीं मिलता और हर एक दिन छह हज़ार लोगों को यह बीमारी पकडता है। डि.बी जल्दी फैल रहा है करके खबर सुना है।

शरीर की लालसा से, बच्चों को ठीक से न पालन पोषण करने से संसार परमेश्वर से दूर होने से ये सब भयंकर बीमारी लगने वालों का संख्या बहुतायत से बढ़ते जा रही है। भविष्य की कोई भी एक समय में अत्यंत कठिन बीमारियाँ संसार में आने का संभावना हैं।

पवित्रशास्त्र की प्रकाशित वाक्य में लिखा हुआ महाक्लेश की समय पर खतरनाक बीमारियाँ फैल जाएँगे। प्रकाशितवाक्य में अध्याय 16 में मनुष्य की शरीर में दुःखदाई फोड़ा के साथ भयंकर सात बीमारियाँ लग जाएँगे करके लिखा हैं। समुद्र लहु जैसा बन जाएँगा और वह पानी पीकर हर एक जीवदारी मर जाएँगे। सूर्य कठिन होते हुए मनुष्य बड़ी तपन से झुलसा हो जाएँगे महानदी फरात की पानी सुख जाएँगे। पचास से ऊपर भारी आले गिरेंगे। प्रकाशितवाक्य की अध्याय नौ में आत्माओं को बन्दन करनेवाला दुष्टात्माओं को भेजेंगे। अभी भी पृथ्वी में हैं और आने का भी है। भयंकर बीमारी बल्कि इस कठिन सजाओं से उद्धार पाने केलिए एक रास्ता खोला है। सृष्टीकर्ता परमेश्वर की आशिषों को प्राप्त करते भी इस दुनिया की लोग उसकी एकलौता पुत्र यीशु को हमारे पाप झुडाने केलिए क्रूश पर बलिदान किया। ''जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारेलिए पाप ठहराया'' (2 कुरिन्तियों 5:21)। ''हे सब परिश्रम करनेवाले और बोझ से दबे हुए लोगों मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दुँगा'' (मत्ती 11:28)। मुझे नही चाहिए करके परमेश्वर से तुमको कब तक मना कर सकता है।

मत्ती का सुसमाचार में देखने के अनुसार पृथ्वी के ऊपर आनेवाला सजाओं से एक भयंकर बीमारी और क्लेश है। बल्कि प्रेमी परमेश्वर हमें से कोई नष्ट होने केलिए इच्छा न करता। ''क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपने एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई अस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए'' (यूहन्ना 3:16)।

''यहोवा कहता है, आओ हम आपस में वादविवाद करें: तुम्हारे पाप चाहे लाल रंग के हो तोभी वे हिम कि समान उजाले हो जाएगे'' (यशायाह 1:18)। प्रभु यीशु पर आने केलिए एक निवेदन हैं यह परमेश्वर को प्राप्त करना अवश्य है। उसकी गहरा प्रेम से हमारी पापों का क्षमा होकर उद्धार प्राप्त करने केलिए परमेश्वर हमारा हृदय में संवाद करते हैं। आप एक भयंकर पापी हे करके आपको जानते हो। तुम एक शराब पीने वाला, परमेश्वर की निन्दा करने वाला, गँजेडी हो, घात करनेवाला होने से भी परमेश्वर अपनी प्रेम की हाथ तुम्हारा ओर बढ़ाता हैं।